Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 12

संविधान का निर्माण

भाग - 1

प्रीतेश जोशी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

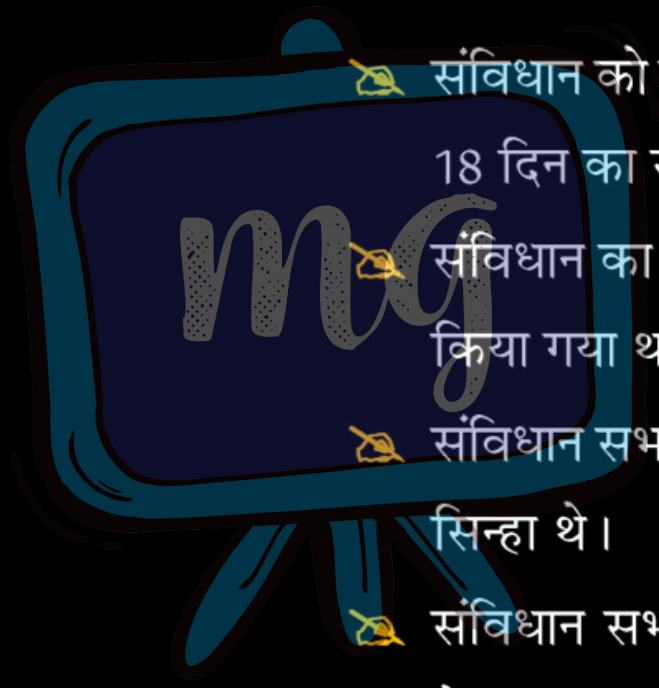
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- भारतीय संविधान 26 नवम्बर, 1949 को बनकर तैयार हुआ और 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू किया गया।
- यह दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान है।

395 अनुच्छेद 22 भाग 12 अनुसूचियां

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- संविधान को बनने में लगभग 2 वर्ष 11 माह और 18 दिन का समय लगा।
- संविधान का निर्माण एक संविधान सभा के द्वारा किया गया था।
- संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष – सच्चिदानंद सिन्हा थे।
- संविधान सभा के अध्यक्ष – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- यह संविधान सभा भारतीय जनता के द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से चुनी गई थी।
- संविधान सभा विभिन्न समितियों और उपसमितियों के द्वारा अपना काम करती थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

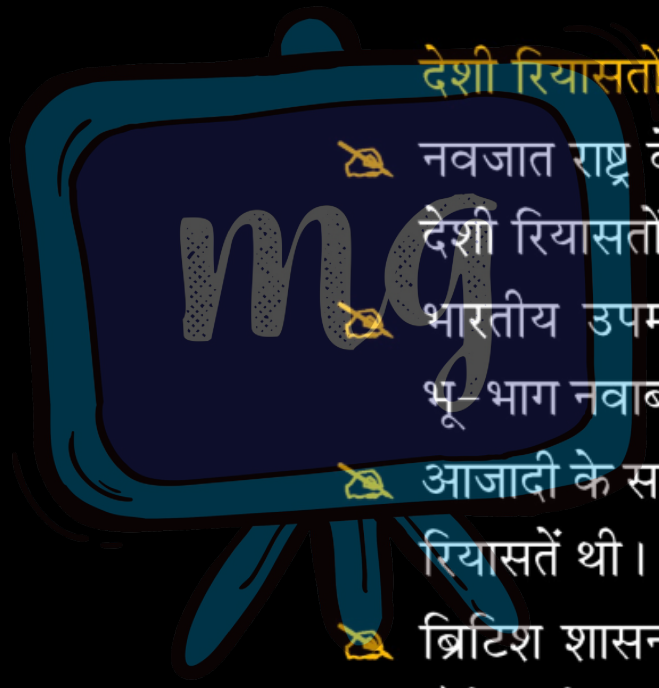
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उथल-पुथल का दौर

- संविधान निर्माण से पहले के साल काफी उथल-पुथल वाले थे।
- यह महान आशाओं का क्षण भी था और भीषण मोहभंग का भी।
- एक लंबे संघर्ष के बाद 15 अगस्त, 1947 को भारत आजाद तो हुआ लेकिन साथ ही देश को विभाजित भी कर दिया गया था।
- अगस्त, 1946 में कलकत्ता से शुरू हुई हिंसा पूरे उत्तर भारत में फैल चुकी थी।
- करोड़ों शरणार्थी यहां से वहां जा रहे थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



देशी रियासतों की समस्या :-

- नवजात राष्ट्र के सामने एक और गंभीर समस्या देशी रियासतों को लेकर थी।
- भारतीय उपमहाद्वीप का लगभग एक तिहाई भू-भाग नवाबों और रजवाड़ों के नियंत्रण में था।
- आजादी के समय भारत में कुल 562 छोटी-बड़ी रियासतें थी।
- ब्रिटिश शासन में उनके पास अपने राज्यों को जैसे चाहे चलाने की सीमित ही सही लेकिन काफी आजादी थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

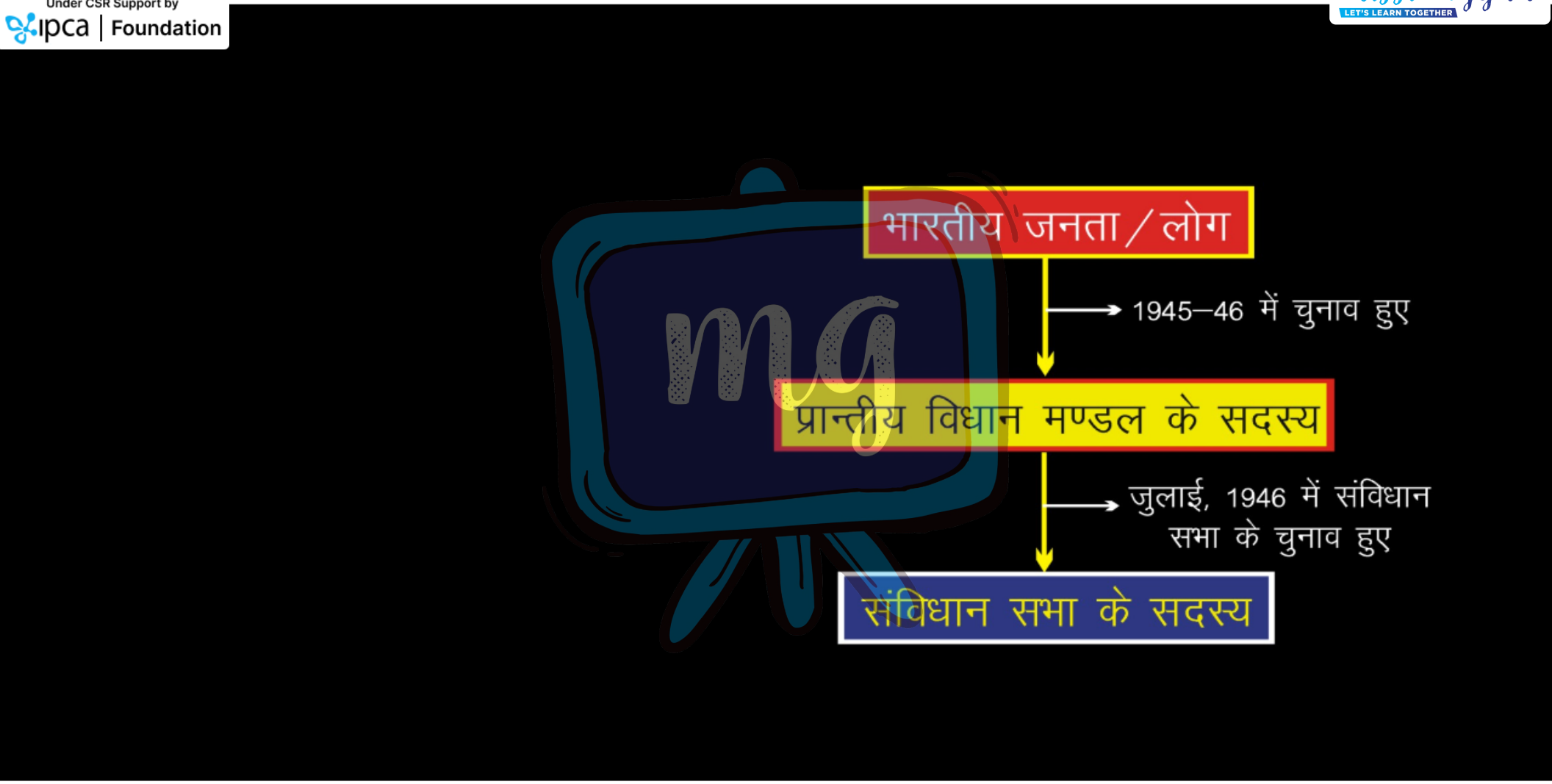
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

संविधान सभा का गठन

- भारतीय संविधान सभा का चुनाव कैबिनेट मिशन योजना – 1946 के अनुसार हुआ।
- संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव सार्वभौमिक मताधिकार के आधार पर नहीं हुआ था।
- प्रांतीय संसदों (विधानमंडलों) के द्वारा संविधान सभा के सदस्यों को चुना गया था।
- अत: संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव भारतीय लोगों के द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया गया था।

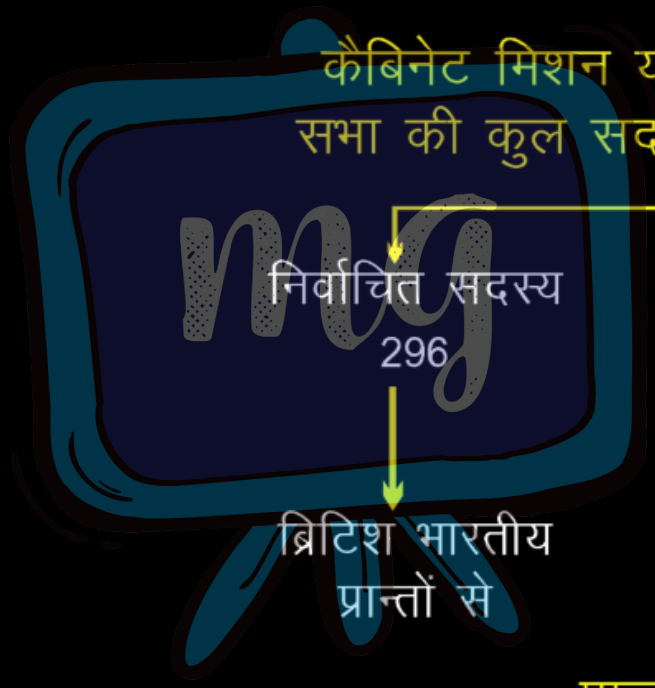
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



कैबिनेट मिशन योजना के अनुसार संविधान सभा की कुल सदस्य संख्या 389 सदस्य होंगे

- निर्वाचित सदस्य 296
  - ब्रिटिश भारतीय प्रान्तों से
- मनोनीत सदस्य 93
  - सभी देशी रियासतों से

प्रान्तों के 296 में से

Under CSR Support by
ipca | Foundation

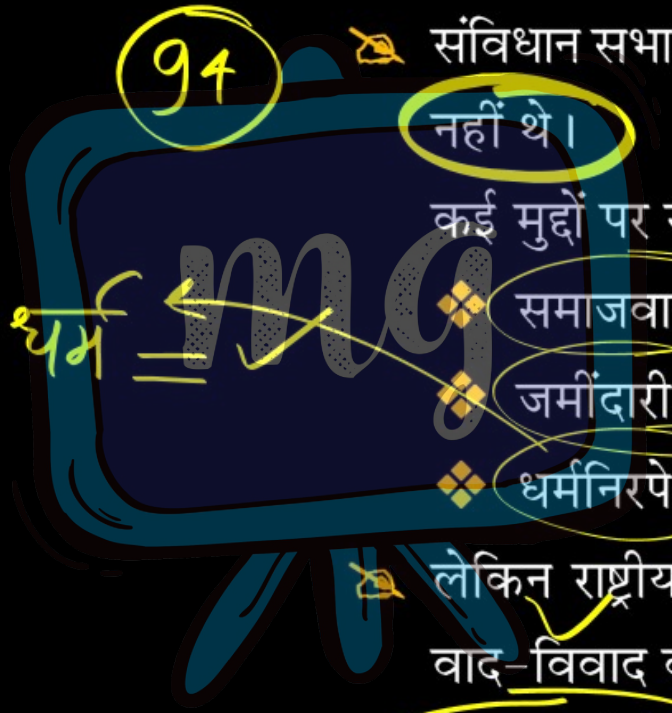
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

पार्टी	–	सीटें
कांग्रेस	–	208
मुस्लिम लीग	–	73
अन्य	–	15
कुल सीटें	–	296

- अतः नई संविधान सभा में कांग्रेस प्रभावशाली थी।
- अतः मुस्लिम लीग के द्वारा संविधान सभा का बहिष्कार किया गया और अलग संविधान सभा की मांग की। साथ ही पृथक देश पाकिस्तान की मांग भी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

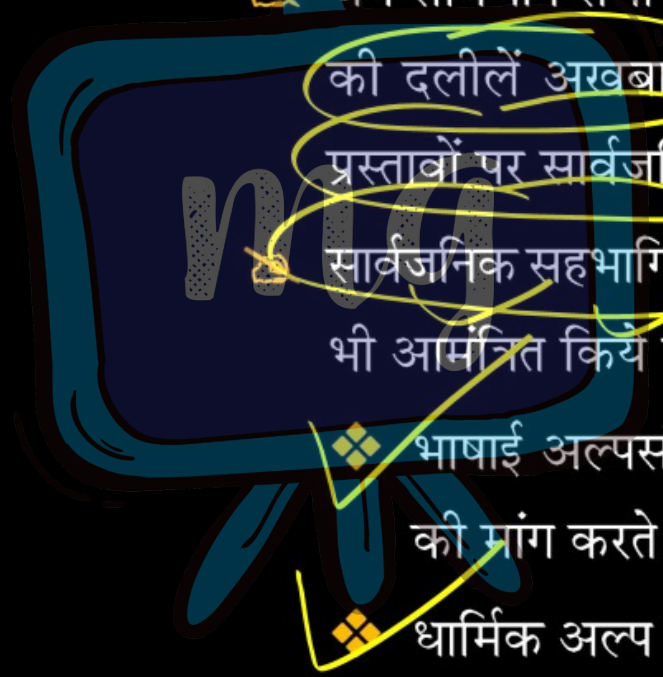
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- संविधान सभा में सभी कांग्रेस सदस्य भी एकमत नहीं थे।
  कई मुद्दों पर सदस्यों के भिन्न मत थे –
  - समाजवाद
  - जमींदारी व्यवस्था
  - धर्मनिरपेक्षता और साम्प्रदायिकता
- लेकिन राष्ट्रीय आंदोलन की वजह से कांग्रेसी वाद-विवाद करना और मतभेदों पर बात-चीत कर समझौतों की खोज करना सीख गये थे।
- संविधान सभा में हुई चर्चाएं जनमत से भी प्रभावित होती थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

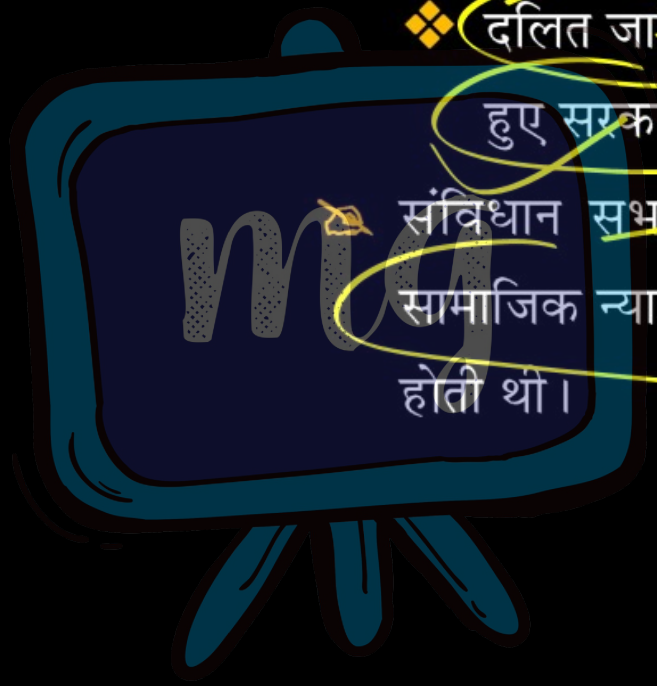
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- जब संविधान सभा में बहस होती थी तो विभिन्न पक्षों की दलीलें अखबारों में भी छपती थी और तमाम प्रस्तावों पर सार्वजनिक रूप से बहस चलती थी।
- सार्वजनिक सहभागिता बनाने के लिए जनता के सुझाव भी आमंत्रित किये जाते थे।
- भाषाई अल्पसंख्यक अपनी मातृभाषा की रक्षा की मांग करते थे।
- धार्मिक अल्प संख्यक अपने हित सुरक्षित करवाना चाहते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- दलित जाति शोषण के अन्त की मांग करते हुए सरकारी संस्थाओं में आरक्षण चाहते थे।
- संविधान सभा में सांस्कृतिक अधिकारों एवं सामाजिक न्याय के कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होती थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मंशा, केसा, किन

मुख्य आवाजें

- संविधान सभा में छः सदस्यों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।
- इन छः में से तीन कांग्रेस के सदस्य थे –
  1. जवाहर लाल नेहरू
  2. सरदार वल्लभ भाई पटेल
  3. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
- 13 दिसम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरू के द्वारा महत्वपूर्ण "उद्देश्य प्रस्ताव" पेश किया गया था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

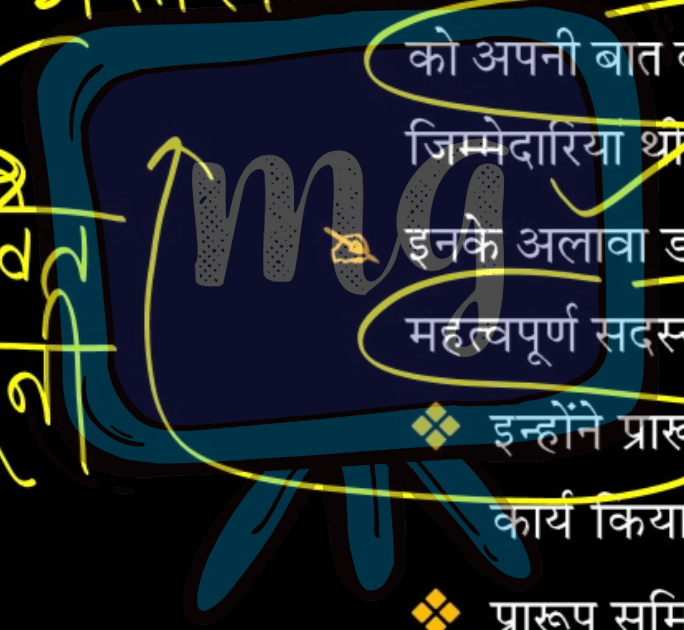


- नेहरू जी ने यह प्रस्ताव भी पेश किया था कि – भारत का राष्ट्रीय ध्वज "केसरिया, सफेद और गहरे हरे रंग की तीन बराबर चौड़ाई वाली पट्टियों का तिरंगा" झंडा होगा, जिसके बीच में गहरे नीले रंग का चक्र होगा।
- सरदार वल्लभ भाई पटेल मुख्य रूप से पर्दे के पीछे कई महत्वपूर्ण काम कर रहे थे। उन्होंने कई रिपोर्टों के प्रारूप लिखने में खास मदद की।
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के अध्यक्ष थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मसौदा लिखित कानूनी



- सभा में चर्चा रचनात्मक रूप ले और सभी सदस्यों को अपनी बात कहने का मौका मिले – यह उनकी जिम्मेदारियां थीं।
- इनके अलावा डॉ. बी. आर. अम्बेडकर भी सबसे महत्वपूर्ण सदस्यों में से एक थे।
  - इन्होंने प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
  - प्रारूप समिति में कुल 7 सदस्य थे।

(अध्यक्ष + 6 सदस्य)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- के. एम. मुंशी और अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर भी प्रारूप समिति के महत्वपूर्ण सदस्य थे।

- इन छः सदस्यों के अलावा दो प्रशासनिक अधिकारियों ने महत्वपूर्ण सहायता दी।

1. बी. एन. राव – ये संवैधानिक सलाहकार थे।
2. एच.सी. मुखर्जी – संविधान सभा के उपाध्यक्ष थे।

- संविधान सभा के सदस्यों ने अपने विविध दृष्टिकोण बड़ी सफाई से पेश किये थे। उनकी प्रस्तुतियों में हम भारत के भविष्य से जुड़े कई मुद्दों पर परस्पर विरोधी विचार देख सकते हैं :–

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संसदीय



- देश के भावी स्वरूप पर
- भारतीय भाषाओं पर
- राष्ट्र को कौनसी राजनीतिक एवं आर्थिक व्यवस्थाऐं अपनानी चाहिए।
- नागरिकों के नैतिक मूल्य कैसे होने चाहिए और कैसे नहीं।